जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

12 जून 2019

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के छात्र की फोटो यूनेस्को की विश्व फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए चुनी गयी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया से इलेेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर रहे छात्र, मोहसिन जावेद की विश्व धरोहर, हुमायूं के मक़बरे की ली गई तस्वीर, यूनेस्को के सिल्क रोड प्रोजेक्ट की तरफ से आयोजित "यूथ आई आन द सिल्क रोड्स " नामक इंटरनेशनल फोटो प्रतियोगिता के लिए चुनी गई है।

द इंटरनेशनल सेल्कशन कमेटी ने इस प्रतियोेगिता के लिए दुनिया भर से भेजी गई 6625 फोटो में से मोहसिन जावेद की फोटो को उसकी गुणवत्ता और रचनात्मकता को देखते हुए चुना है। कमेटी इस तस्वीर की विविधता से बहुत प्रभावित हुई है।

मोहसिन की फोटो सहित 60 उम्दा तस्वीरों को ट्रेवलिंग एक्ज़बिशन के लिए चुना गया है, जिनकी नुमाईश अब तक चीन, अफगानिस्तान, अज़रबैजान, ओमान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और पेरिस स्थित, यूनेस्को के मुख्यालय पर हो चुकी है। इनकी नुमाईश और भी कई मुल्कों में लगेगी।

इसके अलावा, चुनी गई इन तस्वीरों को एक पेशेवाराना फोटो एल्बम की शक्ल में भी जारी किया गया है। इस एल्बम को "यूथ लेन्स आन द सिल्क रोड्स " नाम दिया गया है, जो कि सिल्क रोड की साझा धरोहरों के बारे में नौजवानों के नज़रिए को दिखाती है। यूनेस्को ने इस एल्बम की एक कापी मोहसिन को भी भेजी है।

अट्ठारह साल के मोहसिन में आठवीं क्लास से ही फोटोग्राफी का शौक़ परवान चढ़ा और दसवीं क्लास के आते आते इसने जुनून की शक्ल ले ली। उनकी खींची तस्वीरों को कई जानी मानी नेशनल और इंटरनेशनल एजेंसियां प्रकाशित करने लगीं, जिनमें गेटी इमेजेस, जर्मनी के पब्लिक इंटरनेशनल ब्रोडकास्टर डुश वेले:डीडब्ल्यू: की वेब्साइट और भारत की कई पत्रिकाएं शामिल हैं।

मोहसिन का कहना है कि वह फोटोग्राफी में ही अपने कैरियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक